

श्रसाथार्य EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

पं ३ 3 98]

नई विल्ली, शुक्रवार, बिसम्बर 5. 1969/श्रग्रहायस 14, 1891

No. 398] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 5, 1969/AGRAHAYANA 14, 1891

इम भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिसमे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd December 1969

S.O. 4911.—Whereas the Central Government had, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 8 of the Securities Contracts (Regulation) Act 1956 (42 of 1956), made on the 23rd day of May, 1969 an order directing the Calcutta Stock Exchange Association Limited (hereinafter referred to as the Exchange) to make, within a period of six months from the date of that order, the amendments specified in that order, in its Articles of Association,

And whereas the Exchange has failed to comply with the said order within the time specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 8 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Central Government hereby makes the following amendments in the Articles of Association of the Exchange, being the amendments which were proposed in the said order namely:—

- In the Articles of Association of the Exchange. -
- (i) in Article 16,---
 - (a) in the first paragraph, for the first sentence beginning with the words "The membership deposit" and ending with the words "membership is founded", the following shall be substituted, namely:—
 - "The membership deposit to be furnished by a member shall be in the form of deposit of cash or deposit of securities of the listed companies approved by the Committee or cash deposit receipt of a scheduled bank in the name of the Association or in such other form as the Committee may, with the previous approval of the Central Government decide

from time to time, provided that a member who has already furnished the membership deposit by way of surrender of life insurance policies shall not be required to make, so long as the surrender value of such life insurance policies does not fall below twenty thousand rupees, fresh membership deposit; provided further that shares of the Calcutta Stock Exchange Association Limited shall continue to be accepted as membership deposit from an existing member but, any shortfall between the market value of such shares and the prescribed membership deposit shall be made good by further deposit of cash, or approved securities of listed companies or cash deposit receipts of scheduled banks";

- (b) the following Explanation shall be added at the end, namely:-
 - "Explanation:—For the purpose of this Article, 'existing member' means the member of the Exchange as on the 8th October, 1968.";
- (ii) after Article 82A, the following Article shall be inserted, namely:—
 - "82B. The Committee shall, subject to the previous approval of the Central Government appoint a person as whole-time Executive Director and fix the terms and conditions of his appointment. If the person appointed is a member of the Association, he shall resign such membership forthwith. The whole-time Executive Director shall be ex-officion member of the Committee and of every Sub-committee appointed by the Committee. He shall not, while holding the said office, be subject to retirement and shall not be liable to dismissal or removal from his office without the previous approval of the Central Government. He shall not, during his incumbency, engage himself in any business directly or indirectly".

[No. F.1/27/SE/69.]

By order and in the name of the President of India.
P. D. KASBEKAR, Jt. Secy.

विस मंत्रालय (बर्य विभाग) द्राधसच्या

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1969

संविधिक मावेश 4911:—चूंकि केन्द्रीय सरकार ने प्रतिभृति संविदा (विनियमम) भ्रिधिन्यम, 1956 (1956 का 42 वां) की धारा 8 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 23 मई, 1969 को कलकत्ता स्टाक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड को (जिसे यहां भागे एक्सचेंज कहा गया है) एक भ्रादेश दिया था, जिसमें उसे श्रपनी भ्रन्तिनयमावली में भादेश के दिनांक से छः महीने के भीतर, उस श्रादेशानुसार संशोधन करने के लिए कहा गया था;

श्रीर चूंकि एक्सचेंज ने श्रावेश में निर्दिष्ट समय में उक्त श्रावेश का पालन नहीं किया है; इसलिए श्रव, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) श्रिधिनियम, 1956 की धारा 8 की, उप धारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक्सचेंज की श्रम्तियमा-वनी में निम्नलिखित संशोधन करनी है जो कि उक्त श्रादेश में प्रस्तावित किए गए थे, श्रयनि:--

एक्सचेंज की अन्तर्नियमावली में ---

- () श्रन्तर्नियम 16 में ---
- (क) पहले पैराग्राफ में "सदस्यता निक्षेप" (मेम्बरिशप डिपोजिट) मे शुरू होने बाले ग्रीर "सदस्यता प्राधारित हैं" (मैम्बरिशप इज फाउंडेड) शब्दों पर समाप्त होने बाले पहले बाक्य के स्थान पर निम्नलिखित बाक्य रखा आएगा, ग्रार्थात

"िकमी सदस्य द्वारा दिया जाने वाला सदस्यता-निक्षेप नकद-निक्षेप <mark>या समिति द्वारा</mark> श्रृतुमोदित सूचीबद्ध कम्पनियों के प्रतिभृति-निक्षेप या **एसोसियेशन के** नाम किसी अनुसूचित बैंक में नकद-निक्षेप की रमीद के रूप में या ऐसे किसी अन्य रूप में होगा जो सिमित केन्द्रीय सरकाण के पूर्वान्मोदन से समय-समय पर निश्चित करे परन्तु शर्त यह है कि जिस मदस्य ने जीवन बीमा की पालिसियों के समर्पण (सरेंडर) के जिर्चे पहले से ही मदस्यता-निक्षेप देरखा हो उससे, जब तक कि इस प्रकार की जीवन बीमा पालिसियों का समर्पण-मूल्य 20 हजार रुपये से कम न हो जाए, नया सदस्यता-निक्षेप देने के लिए नहीं कहा जाएगा; इसके अलावा यह शर्त भी है कि कलकत्ता स्टाक एक्सचेंज एसो सियेशन लिमिटेंड के शेयर किसी वर्नमान सदस्य से सदस्यता-निक्षेप के रूप में स्वीकार किये जाते रहेंगे परन्तु यदि इस प्रकारके शेयरों के बाजार मूल्य और निर्धारित सदस्यता-निक्षेप में कोई कमी होगी नो वह और नकद निक्षेप, या सूचीबद्ध कम्पनियों की श्रनुमोदित प्रतिभूतियों, या अनुसूचित बकों की नकद-निक्षेप की रसीदों द्वारा पूरी की जाएगी;

- (ख) अंत में निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ा जाएगा, श्रथीन् :—
 "स्पष्टीकरण :— इस नियम के प्रयोजन के लिए 'वर्तमान सदस्य' का तात्पर्य उस
 सदस्य से है जो 8 श्रक्तुबर 1968 को एक्सचेंज का सदस्य था'
- (II) प्रन्तिनयम 82क के बाद, निम्नलिखित श्रन्तिनयम ओड़ा जाएगा, श्रर्थान्:—
 "82ख—समिति, केन्द्रीय सरकार से पूर्वानुमोदन लेकर, किसी व्यक्ति को पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशिक नियुक्त करेगी श्रीर उसकी नियुक्ति की शर्में तय
 करेगी। यदि नियुक्त व्यक्ति एसोसियेशन का सदस्य हो नो वह उस सदस्यता से
 तत्काल त्यागपत्र दे देगा। पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशक, समिति का श्रीर समिति
 द्वारा नियुक्त प्रत्येक उप-समिति का पदेन सदस्य होगा। जब तक वह उक्त
 पद पर रहेगा उसे केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन के बिना सेवा निवृत
 नहीं किया जाएगा श्रीर न ही उसे श्रपने पद से वर्लास्त किया या हटाया जा
 सकेगा। वह श्रपने कार्यकाल के दौरान प्रत्यक्षतः या परोक्ष रूप से कोई भी
 व्यवसाय नहीं करेगा।

[संख्या एफ० ।/27/एस० ई०/69] भारत के राष्ट्रपति के झादेश से तथा उनके नाम पर पी० डी० कस्बेकर, संयुक्त सचिव ।